राजस्थान पुस्तकालयों में अप्राप्य पांडुलिपियां

१२६. श्री एच० आर० नथानी : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान राज्य के पुस्तकालयों, प्राचीन मंदिरों, और अन्य स्थानों में बहुत सी महत्वपूर्ण और अप्राप्य पांडुलिपियां हैं; और

(ख) यदि हां, तो उनके संरक्षण के लिये केन्द्रीय सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

शिक्षा मंत्री के सभासचिव (डा० एम० एम० दास) : (क) भारत सरकार जानती है कि राजस्थान में ऐतिहासिक महत्व के अभिलेख बहु मात्रा में मौजूद हैं परन्तु पाण्डुलिपियों के बारे में सरकारी तौर पर कोई जानकारी नहीं है कि वे कहां हैं और कैसी हैं ।

(ख) पांडुलिपियों के संरक्षण के कार्य से राज्य सरकार का ताल्लुक है ।

Grants to Technical Institutions

130. **Shri Shree Narayan Das:** Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) names of the technical institutions which were given grants for expansion and development during the year 1955-56;

(b) the amount in each case; and

(c) the names of institutions which applied for such grants but were not given any?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Education (Dr. M. M. Das): (a) to (c). A statement giving the required information is laid on the Table of the House. [*See* Appendix II, Annexure No. 17].

पूंजी निर्गमित करना (कैपिटल इश्यू)

१३१. श्री श्री नारायण दास : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५५ में पूंजी निर्गमित करने (कैपीटल इश्यू) के लिये कितने आवेदन-पत्र आये ;

(ख) कितने आवेदन-पत्रों के बारे में निर्णय हुआ है;

(ग) प्रत्येक प्रकार के मामले में धन की कुल राशि कितनी थी;

(घ) कितने आवेदन-कर्ता विदेशी पूंजी लगाना चाहते हैं तथा कितने आवेदन-कर्ता देशी पूंजी लगाना चाहते हैं; और

(ङ) प्रत्येक मामले में कितने प्रार्थना-पत्र स्वीकृत किये गये हैं और कितने अस्वीकृत, और प्रत्येक मामले में धन राशि कितनी थी ?

राजस्व और असैनिक व्यय मंत्री (श्री एम० सी० शाह) : (क) पूंजी जारी करने की अनुमति के लिए २ जनवरी से ३१ अक्तूबर तक ३२४ आवेदन-पत्र प्राप्त हुए ।

(ख) इनमें से १८४ आवेदन-पत्रों के बारे में निर्णय किया जा चुका है ।

(ग) प्राप्त आवेदनपत्र कुल १०८.४० करोड़ रुपये की पूंजी जारी करने के लिये हैं और जिन आवेदन-पत्रों के बारे में निर्णय किया जा चुका है वे कुल ८४.५८ करोड़ रुपये की पूंजी जारी करने के लिये हैं ।

(घ) ५७ आवेदन-पत्रों में विदेशी पूंजी लगाने की और २६७ आवेदन-पत्रों में केवल देशी पूंजी लगाने की अनुमति मांगी गयी है।

(ङ) कुल १९.०९ करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी लगाने के ४३ आवेदन-पत्र और कुल ६२.११ करोड़ रुपये की देशी पूंजी लगाने के १०५ आवेदन-पत्र स्वीकृत किये गये । कुल ०.०९ करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी लगाने के ६ आवेदन-पत्र और कुल ३.२९ करोड़ रुपये की देशी पूंजी लगाने के ३० आवेदन-पत्र अस्वीकृत किये गये ।

यूनेस्को

१३२. श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बहु उद्देशीय माध्यमिक स्कूलों में औद्योगिक और टेक्नोलोजीकल प्रशिक्षा देने